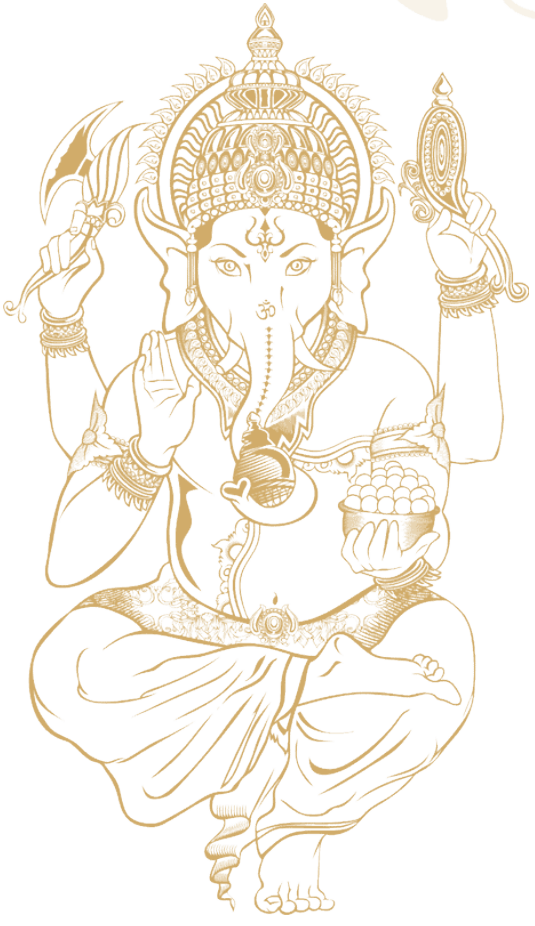

Vidya Raina

22 Mar 2010

07:00 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121961302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/03/2010**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	01:08:54 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:29:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:57 घंटे
साम्पातिक काल	18:27:16 घंटे
सूर्योदय	06:32:26 घंटे
सूर्यास्त	18:43:05 घंटे
दिनमान	12:10:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:19:07 मीन
लग्न के अंश	16:15:53 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:15:53	539:34:03	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मीन	07:19:07	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	19:47:33	13:21:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	07:02:41	00:07:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध		अ	मीन	14:46:41	02:00:13	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	20:55:05	00:14:12	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			मीन	24:02:57	01:14:18	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	07:16:46	00:04:44	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	23:50:43	00:01:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	23:50:43	00:01:51	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष			मीन	02:50:25	00:03:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	03:25:42	00:01:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:20:53	00:00:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			धनु	12:15:32	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:16

लग्न-चलित

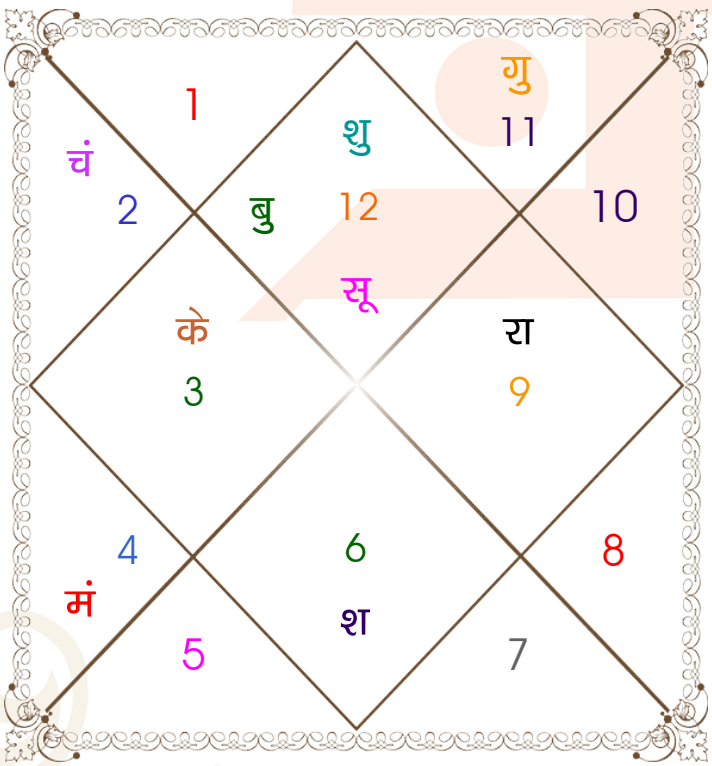

चन्द्र कुंडली

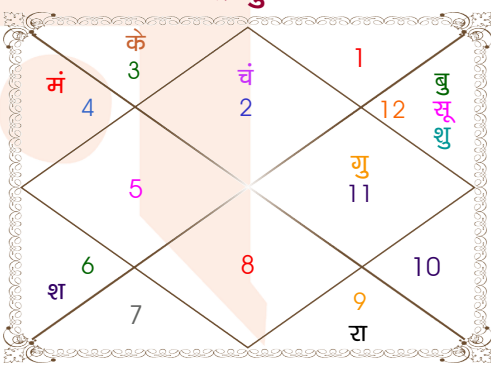

नवमांश कुंडली

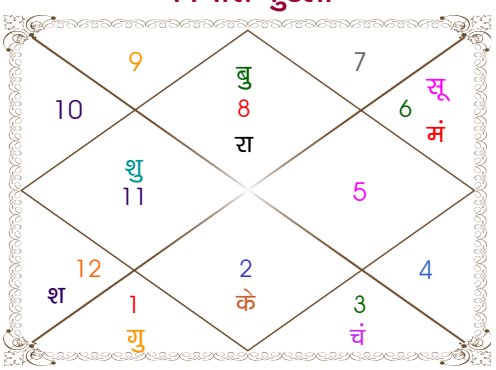

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 7 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/03/2010		16/11/2012		16/11/2019		16/11/2037		16/11/2053	
16/11/2012		16/11/2019		16/11/2037		16/11/2053		16/11/2072	
	00/00/0000	मंगल	14/04/2013	राहु	30/07/2022	गुरु	04/01/2040	शनि	19/11/2056
	00/00/0000	राहु	02/05/2014	गुरु	22/12/2024	शनि	17/07/2042	बुध	30/07/2059
	00/00/0000	गुरु	08/04/2015	शनि	29/10/2027	बुध	22/10/2044	केतु	07/09/2060
	00/00/0000	शनि	17/05/2016	बुध	18/05/2030	केतु	28/09/2045	शुक्र	07/11/2063
	00/00/0000	बुध	14/05/2017	केतु	05/06/2031	शुक्र	29/05/2048	सूर्य	19/10/2064
	22/03/2010	केतु	10/10/2017	शुक्र	05/06/2034	सूर्य	17/03/2049	चंद्र	21/05/2066
केतु	16/09/2010	शुक्र	11/12/2018	सूर्य	30/04/2035	चंद्र	17/07/2050	मंगल	29/06/2067
शुक्र	17/05/2012	सूर्य	17/04/2019	चंद्र	28/10/2036	मंगल	23/06/2051	राहु	05/05/2070
सूर्य	16/11/2012	चंद्र	16/11/2019	मंगल	16/11/2037	राहु	16/11/2053	गुरु	16/11/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/11/2072		16/11/2089		16/11/2096		17/11/2116		17/11/2122	
16/11/2089		16/11/2096		17/11/2116		17/11/2122		00/00/0000	
बुध	14/04/2075	केतु	14/04/2090	शुक्र	18/03/2100	सूर्य	06/03/2117	चंद्र	18/09/2123
केतु	11/04/2076	शुक्र	14/06/2091	सूर्य	18/03/2101	चंद्र	05/09/2117	मंगल	18/04/2124
शुक्र	09/02/2079	सूर्य	20/10/2091	चंद्र	17/11/2102	मंगल	11/01/2118	राहु	18/10/2125
सूर्य	17/12/2079	चंद्र	20/05/2092	मंगल	17/01/2104	राहु	06/12/2118	गुरु	17/02/2127
चंद्र	17/05/2081	मंगल	16/10/2092	राहु	17/01/2107	गुरु	24/09/2119	शनि	17/09/2128
मंगल	15/05/2082	राहु	04/11/2093	गुरु	17/09/2109	शनि	05/09/2120	बुध	16/02/2130
राहु	01/12/2084	गुरु	11/10/2094	शनि	17/11/2112	बुध	12/07/2121	केतु	23/03/2130
गुरु	09/03/2087	शनि	20/11/2095	बुध	18/09/2115	केतु	17/11/2121		00/00/0000
शनि	16/11/2089	बुध	16/11/2096	केतु	17/11/2116	शुक्र	17/11/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 7 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।